पन्नालाल गिरधरलाल डी० ए० वी० महाविद्यालय

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

वार्षिक विवरण

2016-17

मुख्य अतिथि :

मेजर जनरल (डॉ.) जी.डी. बख्शी

(सेवानिवृत्त)

7 अप्रैल 2017

वार्षिक पारितोषिक वितरणोत्सव

असतो मा सद्गमय

पन्नालाल गिरधरलाल डी० ए० वी० महाविद्यालय

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

वार्षिक विवरण

2016–17

मुख्य अतिथि :

मेजर जनरल (डॉ.) जी.डी. बख्शी

(सेवानिवृत्त)

7 अप्रैल 2017

वार्षिक पारितोषिक वितरणोत्सव

प्रशासकीय समिति के सदस्य

डॉ. सतीश कुमार शर्मा

डॉ. (श्रीमती) सुषमा आर्य

श्री रवीन्द्र कुमार

डॉ. डी. वी. सेठी

श्री महेश चोपड़ा

श्री आर. के. सेठी

डॉ. बी. सी. जोसन

श्री बी. के. मित्तल

डॉ. एस. एस. खन्ना

श्री अजय सूरी

श्री अरविन्द घई

श्रीमती रीता गुप्ता

प्रो. रीना चक्रवर्ती

प्रो. रेनु देसवाल

डॉ. डॉली नरूला

डॉ. कपिल देव निषाद

डॉ. जगमोहन

डॉ. ओंकार मीणा

डॉ. आर. के. गुप्ता

डॉ. मुकेश अग्रवाल (सदस्य सचिव)

महोदय,

हमारे देश की 65% जनसंख्या 35 वर्ष से कम की है। ऐसे युवा देश के नौजवानों के प्रतिनिधि के रूप में यह विद्यार्थी समूह आज हमारे सामने उपस्थित है– वस्तुत: आप युवाओं के मध्य रह कर हम सबमें भी उत्साह का संचार होता है; जोश आ जाता है। अपने देश के लिए कुछ कर गुजरने के भाव की प्रेरणा हमें आप से ही मिलती है। लंबे समय तक विदेशी दासता में रहने के पश्चात् औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकलने और आत्मविश्वास से परिपूर्ण होकर अपने पैरों पर खड़े होने के लिए हमने स्वतंत्रता के बाद भरपूर प्रयास किए। हम विकासशील से विकसित देशों की श्रेणी में आने को हैं। आत्मनिर्भर और विश्व में एक शक्ति के रूप में स्थापित होने में केवल आर्थिक आधार ही नहीं है वरन् हमारी सांस्कृतिक विरासत और स्वर्णिम अतीत भी महत्वपूर्ण कारण हैं, जिनकी वजह से हम आज समूचे विश्व के समक्ष सिर उठाकर, सीना तानकर खड़े हैं। विश्व की आर्थिक नीति में ही नहीं वैश्विक राजनीति में भी हमारी धाक बढ़ी है। लंबे समय से हम आतंकवाद जैसी समस्या से जूझ रहे हैं किन्तु हमने कभी धैर्य नहीं खोया। आतंकवाद को बढ़ाने वाला देश भी जानता है कि हम इतने ताकतवर हैं कि हम अपने सैन्य बल से किसी भी प्रकार के आतंकवाद पर काबू पा सकते हैं, किन्तु यह हमारा स्वभाव ही है कि हम कभी युद्ध की पहल नहीं करते हैं। हमारी क्षमा, दया और धैर्य विषहीन दन्तहीन सर्प की विवशता नहीं है, बल्कि राम, कृष्ण, महावीर की करुणा और दया से जुड़ती है। इसलिए हम समूची मानव जाति को एक संदेश भी देते हैं। हमारा युवा वर्ग 'हम होंगे कामयाब' गाते हुए आगे बढ़ें, ऐसी हम सबकी कामना है और हम इसी राह पर चल रहे हैं। हमारा देश विविधता में एकता वाला देश है जिसमें जितनी महत्वपूर्ण विविधता है, उतनी ही महत्वपूर्ण एकता भी है। हम विविधता का सम्मान करें और एकता को सुरक्षित रखें, हम सबका यही प्रयास होना चाहिए। इस प्रयास में हम सफल हो इसकी जिम्मेदारी सबसे अधिक आप सब युवाओं की है।

इस वर्ष कॉलेज में Infrastructure की दृष्टि से पर्याप्त वृद्धि हुई है। OBC Expansion के तहत प्राप्त धनराशि से इस वर्ष एक नए तथा वृहद् संगोष्ठी कक्ष, दो कम्प्यूटर लैब तथा सभी विभागों के लिए विभागीय कक्षों का उद्घाटन DAV College Managing Committee के उपाध्यक्ष श्री ओमचेरी के कर कमलों द्वारा किया गया। इस निर्माण से कॉलेज की शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को नए आयाम मिले हैं। प्रशासकीय समिति के अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष डॉ. एस. आर. अरोड़ा तथा जे.के. कपूर एवं अन्य सभी सदस्यों का पूर्ण सहयोग एवं समर्थण इस कार्य में मिला। इसके लिए 'धन्यवाद' शब्द औपचारिकता मात्र होगी। यह कार्य उनकी सक्रियता के बिना संभव ही नही था, इसके लिए वे भी धन्यवाद के पात्र हैं।

प्राध्यापकीय उपलब्धियाँ

कंप्यूटर साईंस विभाग : श्रीमती गीता गुप्ता का International Journal of Bio informatics Research में शोध पत्र प्रकाशित हुआ। श्रीमती वीनू भसीन का Pro-active Recommender Systems तथा 'Steganography' पर शोध पत्र प्रकाशित हुआ। श्रीमती अपर्णा दत्त का Cloud Architecture पर शोध पत्र प्रकाशित हुआ। श्रीमती पूर्णिमा खुराना का Engineering and Scientific International Journal में Big Data विषय पर शोधपत्र प्रकाशित हुआ। श्री अरुण अग्रवाल ने दो अंतर्राष्ट्रीय गोष्ठियों में शोधपत्र प्रस्तुत किए।

सांख्यिकी विभाग : डॉ. मिथिलेश के 6 शोध आलेख राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका में प्रकाशित हुए। इसी विभाग की डॉ. अर्चना वर्मा के 3 शोध आलेख राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए।

पर्यावरण विज्ञान विभाग (Environmental Sciences) विभाग के श्री प्रदीप सिंह वर्ष 2016-17 में तीन पुस्तकों में सह लेखक रहे तथा शोध पत्रिकाओं में इनके 15 शोधपत्र प्रकाशित हुए।

गणित विभाग : डॉ. गीता कलूचा ने North Carolina University USA में बतौर आमंत्रित वक्ता अपना शोधपत्र पढ़ा। साथ ही मनीपाल विश्वविद्यालय जयपुर में भी विश्वविद्यालयीय अंतरराष्ट्रीय गोष्ठी में शोध पत्र पढ़ा।

अंग्रेजी विभाग : डॉ. उर्वशी साबू ने St. Xavier's College जयुपर द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर आमंत्रित अतिथि 'Digital Capitalism in the 21st Century पर अपना शोध आलेख पढ़ा। उनकी उर्दू से अंग्रेजी में अनूदित कविताएँ तीन राष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हुईं। उनका शोध आलेख 'Making a Case for Pakistani Women Poets' भी एक संपादित पुस्तक 'Celebrating Diasporic Writing' में प्रकाशित हुआ।

वाणिज्य विभाग : डॉ. शशि नंदा ने 'Impact of Emerging Trends in Entrepreneurship नामक कार्यशाला में अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया जिसका शीर्षक था- Delivering Superior Customer Value and Satisfaction Through Service Quality, डॉ. साक्षी वर्मा ने Corporate Governance पर आई.एम.एस. गाजियाबाद द्वारा आयोजित अतंरराष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधपत्र पढ़ा तथा सर्वश्रेष्ठ वक्ता का पुरस्कार भी पाया। सी.एस.आर. विषय पर आपका शोध पत्र संपादित पुस्तक में प्रकाशित हुआ है।

अर्थशास्त्र विभाग : श्रीमती पायल मलिक ने ICT, Innovation, Intellectal Property and Competition Issues in India पर जिंदल ग्लोबल लॉ युनिवर्सिटी में शोध पत्र पढ़ा। साथ ही आई.आई.टी. दिल्ली में Research in Significance of Broadband पर व्याख्यान दिया। आपके कई आलेख Indian Express में प्रकाशित हुए हैं। आपने Competition Commission of India के Panel Discussion में भी भाग

लिया। डॉ. वरुण भूषण ने 'Skill Development Initiatives and India's Demographic Divided' शोध पत्र राष्ट्रीय गोष्ठी में प्रस्तुत किया।

इतिहास विभाग : इतिहास विभाग की डॉ. मीरा खरे ने दिल्ली विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन महाविद्यालय (सांध्य) में ''मुगल चित्रकला में राजा की लौकिक एवं आध्यात्मिक छवियों'' पर व्याख्यान दिया। इसी विभाग की डॉ. रिमझिम शर्मा का "Environment, Culture, Tradition and Practice" नामक आलेख History and Culture Society द्वारा प्रकाशित हुआ।

हिन्दी विभाग : डॉ. मनोज कुमार कैन को इस वर्ष डॉ. अंबेडकर मिशन के द्वारा 'डॉ. अंबेडकर स्वच्छ भारत स्वप्न अॅवार्ड' प्रदान किया गया। डॉ. कपिल देव निषाद 2016 में केन्द्रीय विद्यालय आर.के. पुरम और विकासपुरी में देश भर से आए विद्यार्थियों के टैलेंट हंट कंपीटीशन में निर्णायक के रूप में आमंत्रित किए गए। इन्होंने विकासपुरी में पूरे भारत से आए पी.जी.टी शिक्षकों को आई.टी. के द्वारा लिटरेचर को कैसे पढ़ाया जाए' और एन.सी.ई.आर.टी. के बच्चों को 'श्रव्य के साथ-साथ दृश्य माध्यम से कैसे पढ़ाया जाए इन महत्वपूर्ण विषयों पर पूर्णकालिक व्याख्यान दिया। पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता में पर्यावरणीय समस्या पर आलेख भी प्रस्तुत किया। अजीत कुमार पुरी द्वारा प्रकाशित लेख हैं- 1. रामवृक्ष बेनीपुरी : निबंधों की वैचारिकी। 2. दो लहरों की टक्कर : संघर्षरत भारतीय अस्मिता का प्रस्फुटन। डॉ. चैनसिंह मीना द्वारा लिखित कई शोध आलेख विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। जिनमें से 1. हिंदी दलित कविता : रचना-प्रक्रिया और भाषिक सौन्दर्य, 2. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक और दलित विमर्श, 3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी और दलित विमर्श, 4. विषमता को उजागर करता कवि : ओमप्रकाश वाल्मीकि, 5. भारतीय समाज का बदलता स्वरूप, अंबेडकरवादी चिंतन और दलित साहित्य प्रमुख हैं। डॉ. अलोक दीपक उपाध्याय द्वारा लिखित आलेख- 'स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता' प्रकाशित हुआ। डॉ. श्रवण कुमार द्वारा शोध-आलेख 'प्रवासी कथा-साहित्य में अस्मितामूलक विमर्श', 'कवि ज्ञानेंद्रपति का भाषाई चिंतन', 'ज्ञानेंद्रपति की कविता में पर्यावरणीय चिंता' विभिन्न राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में प्रस्तुत किए गए।

संस्कृत विभाग : डॉ. दिलीप कुमार झा के प्रकाशित शोध-आलेख हैं : वेद में वर्णित राष्ट्रीयता एवं जनतंत्र तथा नाट्यशास्त्र का अट्ठाईसवाँ अध्याय।

राजनीति-शास्त्र विभाग : डॉ. पिंकी पूनिया द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी के आधार पर पुस्तक Devising Policy Strategies for India का प्रकाशित होना, डॉ. पूनिया का इसके अतिरिक्त 'भारत में सूचना अधिकार का ऐतिहासिक विकास' लेख Institute of Public Administration Journal में प्रकाशित हुआ। डॉ. अभय प्रसाद सिंह को मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तत्त्वावधान में प्रकाशित राजनीति शास्त्र के अंग्रेजी व हिंदी ज्ञानकोष के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया, इसी अवधि में उन्होंने तीन पुस्तकों Party Politics in Contemporary India, Development Process

and Contemporary India एवं 'राष्ट्रवाद का भारतनामा' का कुशल संपादन किया। डॉ. हीरा सिंह बिष्ट ने इसी पुस्तक में दो लेखों 'ब्रिटिश शासन का उद्योग एवं व्यापार पर प्रभाव' एवं 'राष्ट्रीय पुनर्जागरण : सामाजिक और धार्मिक सुधार आन्दोलन' का योगदान दिया। डॉ. युवराज कुमार, श्री छोटे लाल सिंह एवं श्री प्रभात कुमार ने क्रमशः विभिन्न संगोष्ठियों में डॉ. अंबेडकर, वैश्वीकरण एवं 'आतंकवाद एवं मानव अधिकार' सम्बन्धी सराहनीय शोधपत्र प्रस्तुत कर कॉलेज का नाम रोशन किया। डॉ. युवराज कुमार के 'पांचजन्य' में 'मार्क्सवाद एक बंद व्यवस्था' तथा 'आर्गेनाइजर' में 'Ambedkar and Communism are Poles Apart' लेख प्रकाशित हुए। उन्होंने एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'Deprived Class in Globalized India : Issues and Challenges' विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया। श्री किरण आगवणे ने दिल्ली में दलित आन्दोलन एवं डॉ. अंबेडकर लिखित Annihilation of Caste पर टिप्पणी एवं व्याख्यान दिए। विभाग के प्राध्यापक, माइकल होकिप के लेखों Re-thinking the Political History of North East India तथा Historical Review of Kuki Country का प्रकाशन प्रतिष्ठित पत्रिका Indian Historical Review में हुआ। इसी विभाग के सबसे जूनियर सदस्य श्री रवींद्र मीणा ने श्री लाजपत राय द्वारा सम्पादित पुस्तक Understanding Ambedkar में Labour and Land विषय पर लेख प्रस्तुत किया।

पुस्कालय विभाग : श्रीमती गरिमा गौड़ श्रीवास्तव का लेख 'Library Services in Inclusive Environment : Role of Marketing Tools' International Journal of Information Dissemination and Technology में प्रकाशित हुआ। वे पुस्तक 'Perspectives on Knowledge Management' में प्रकाशित लेख 'Role of Librarian in Electronic Environment : Opportunities and Challenges' की सहलेखिका रहीं। इसके अतिरिक्त उन्होंने पाँचवें 'International Library and Information Professionals Summit 2016 (LIPS 2016)' में संयुक्त रूप से 'Research Trends in Marketing of LIPS Products and Services : A Study of Literature Published' शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

आप सभी प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों को इन उपलब्धियों पर मैं हार्दिक बधाई देता हूँ।

परीक्षा-परिणाम

सन् 2016 में सम्पन्न परीक्षाओं में हमारे कॉलेज के परिणाम गौरवपूर्ण रहे। एम.कॉम. 100%, बी.कॉम (आनर्स) 98.2%, अंग्रेजी (आनर्स) 98.6%, अर्थशास्त्र (आनर्स) 90.4%, हिन्दी (आनर्स) 97.6%, इतिहास (आनर्स) 82.3%, गणित (आनर्स) 95.8%, राजनीति शास्त्र (आनर्स) 100%, संस्कृत (आनर्स) 92.3%, सांख्यिकी (आनर्स) 88.5% रहा। इस उत्साहवर्धक परीक्षा परिणाम के लिए मैं अपने सभी प्राध्यापकों को बधाई देता हूँ।

पुस्तकालय

इस वर्ष पुस्तकालय द्वारा 890208 रुपये की 2177 पुस्तकें खरीदी गई। इनके अतिरिक्त 137 सजिल्द पत्रिकाएँ आईं तथा 16 पुस्तकें उपहार में प्राप्त हुईं। इस समय पुस्तकालय में एक लाख पुस्तकें तथा 4317 सजिल्द पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन एवं मनोरंजन के लिये 65 पत्रिकाएँ एवं 20 समाचारपत्र अनवरत रूप से आते हैं। विद्यार्थियों की सुविधा के लिये सम्पूर्ण रूप से कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालय सभी कार्यदिवसों में प्रात: 8.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक खुला रहता है। अत्यंत हर्ष का विषय है कि शीघ्र ही प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के लिये 'इंटरनेट' की सुविधा भी प्रारंभ की जा रही है। इस वर्ष पुस्तकालय ने 'Faculty Development Programme' कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें मानविकी में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उपयोग पर प्रकाश डाला।

पुस्तकालय में नियोजित पुस्तककोष

महाविद्यालय में योग्य छात्रों के लिये बुक बैंक, एस.ए.एफ. अनुभाग और करोल बाग क्लब सर्कुलेटिंग लाईब्रेरी, रोटरी क्लब आदि का नियोजन है और इसके लिये महाविद्यालय ने 12215 पुस्तकों का उपयोगी संग्रह किया है। इनमें इस वर्ष बुक बैंक में 44779 रुपये की 146 पुस्तकें संग्रहीत की गई हैं। 136 निर्धन और योग्य विद्यार्थियों को 950 पुस्तकें वर्ष भर के लिये अध्ययन हेतु दी गई हैं।

स्वाश्रित

Visually Challenged विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुस्तकालय में Braille Software JAWS के trial version पर पढ़ने का प्रावधान किया गया है। यह सेवा नि:शुल्क है। पुस्तकालय में दिव्यांगों, विशेष रूप से दृष्टिबाधित छात्रों की सुविधा हेतु पाँच कम्प्यूटर स्टेशन स्थापित किए गए, जो विश्वविद्यालय की ब्रेल पुस्तकालय से जुड़े हुए हैं। इन कम्प्यूटरों पर अबाकुस, ज्यामिट्री किट, एम.पी.थ्री. रिकॉर्डस, एन्जल डेज़ी रीडर जैसी सभी सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

पुस्तकालय के सुचारु संचालन के लिये पुस्तकालय कर्मचारी और पुस्तकालयाध्यक्ष बधाई के पात्र हैं।

छात्रवृत्तियाँ

शिक्षा की आवश्यकता सबको है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए कॉलेज आर्थिक रूप से कमजोर एवं प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान करता है। छात्रवृत्ति के इस फंड को विभिन्न संस्थाओं एवं व्यक्तियों से सहयोग मिलता रहा है। जिसकी पूरी सूची रिपोर्ट के अंत में दी गई है। इस वर्ष भी हमारे पुराने छात्र श्री सतीश खोसला ने मैथमैटिकल सोसायटी को 10 लाख रुपये की स्थायी निधि प्रदान की है। जिसकी ब्याज से प्रतिवर्ष 6 छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाएँगी।

एक-एक हजार रुपये की छात्रवृत्तियाँ डॉ. डॉली नरूला व डॉ. सीमा अग्रवाल द्वारा भी दी गयी हैं। गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी श्री शिवराज गुप्ता ने कॉलेज के सर्वश्रेष्ठ छात्र को 5000 रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की है। मैं आप सभी का हृदय से आभारी हूँ।

विभागीय गतिविधियाँ

हिंदी विभाग की साहित्यिक गतिविधियों के क्रम में हिंदी साहित्य सभा 'चिंतन' द्वारा दिनांक 24 अगस्त 2016 को **नवागंतुक स्वागत समारोह** आयोजित किया गया। 'चिंतन' साहित्य सभा ने हिंदी अकादमी (दिल्ली) के सहयोग से दिनांक 15 सितम्बर 2016 को **हास्य कवि सम्मलेन** का आयोजन किया। दिनांक 21 फरवरी 2017 को महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की जयंती के उपलक्ष्य में **महर्षि दयानन्द सरस्वती जी और आर्य समाज : समकालीन परिप्रेक्ष्य** विषय पर स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। दिनांक 8 मार्च 2017 को अंतर्महाविद्यालय प्रतियोगिताओं के रूप में **साहित्यिक प्रश्नोत्तरी** और **वाद-विवाद** प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 'चिंतन' साहित्य सभा द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में डॉ. मनोज कैन का सक्रिय योगदान रहा अत: वे बधाई के पात्र हैं।

'कॉमर्सियम' हमारे कॉलेज की बड़ी सोसाइटीज़ में से एक है जो हमारे कॉमर्स के विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने का नया मंच प्रदान करती है इसमें विभिन्न संगोष्ठियों के माध्यम से ज्ञानवर्धक समसामयिक विषयों पर चर्चा और प्रश्नोत्तरी जैसे कार्यक्रमों का आयोजन होता है। इस वर्ष हमने जी.एस.टी. (GST) जैसे चर्चित विषय पर वार्ता का आयोजन किया जिसमें श्री अंशुमन तिवारी (संपादक इंडिया टुडे) श्री आर.के. खुराना (सी.ए.) श्री आशु डालमियाँ (सी.ए.) को वक्ता के रूप में बुलाया गया जो हमारे शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए बहुत ही ज्ञानवर्धक रहा। हम सदैव इस बात पर विश्वास करते हैं कि उन्नति और विकास के लिए नई सोच एवं नये विचार जरूरी हैं। इसी बात को ध्यान में रखकर 'कॉमर्सियम' के वार्षिक महोत्सव की थीम 'ब्रेन इट ऑन : इनिशिएट टू इनोवेटिव' 22 और 23 फरवरी को आयोजित किया गया। इसका संपूर्ण श्रेय वाणिज्य विभाग के डॉ. अशोक कुमार (संयोजक), डॉ. मिनी वालिया (सह-संयोजक व प्रभारी) के साथ-साथ डॉ. गुरुचरण सचदेव, डॉ. अतुल कुमार, सुश्री दीपिन्दर कौर, सुश्री मोनिका सैनी, सुश्री सुनीता व सुश्री शिखा मेनानी को जाता है।

इतिहास विभाग की समिति 'धरोहर' ने 27 अक्टूबर 2016 को राष्ट्रीय संग्रहालय के निदेशक डॉ. एस.एस. विश्वास का विशेष व्याख्यान आयोजित किया। साथ ही छात्रों के द्वारा Science and Technology in Indian History, Religious Pluralism in Indian History तथा Nationalism Today पर शोध-पत्र पठन भी आयोजित किया। इतिहास विभाग के द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिये 'राष्ट्रीय संग्रहालय : एक शैक्षणिक भ्रमण' का आयोजन भी किया गया ताकि वे अपनी सांस्कृतिक धरोहर के सुप्रबंधन के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकें। इसके साथ ही इतिहास विभाग ने अपने

वार्षिकोत्सव 'अतीत' का भी आयोजन किया जिसमें व्याख्यान, प्रदर्शनी, नाटक, प्रश्नोत्तरी आदि कार्यक्रम हुए।

कंप्यूटर सांइस विभाग ने नये शैक्षणिक वर्ष का शुभारंभ विभागीय समिति 'परिकलन' के गठन से किया। विभाग ने तीसरी 'डिजिटल इंडिया समिट' का आयोजन किया। भारत सरकार द्वारा आरंभ किया गया यह प्रयास 'डिजिटल इंडिया' नागरिकों तक सरकारी सेवाओं को इलेक्ट्रानिक माध्यम से पहुँचाने की दिशा में एक कदम है। साथ ही विभाग ने अपना वार्षिकोत्सव 'जिनियम' भी मनाया, जिसमें अनेक महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों की सहभागिता रही। विभाग के कई छात्रों ने जानी-मानी कंपनियों जैसे Unicom, Can Support आदि में Internship की। तथा कई छात्रों का श्रेष्ठ कंपनियों में चयन हुआ।

राजनीति विज्ञान विभाग की सोसाइटी 'संवाद' के तत्त्वावधान में चार व्याख्यान आयोजित किए गए। इनमें बोस्टन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर मार्क लिंडले "Gandhi and English Rhetoric" JNU के प्रो. अश्विनी महापात्र एवं मेजर जनरल पी के सहगल के 'India's Response to Global Terror' दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. उज्ज्वल सिंह ने Dr. Ambedkar's Vision of The Constitution एवं JNU के प्रो. संजय भारद्वाज ने 'India's Neighbourhood Policy' विषय पर अपने व्याख्यानों द्वारा विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन किया। विभाग के छात्र भी शिक्षकों से पीछे नहीं रहे, द्वितीय वर्ष के छात्र श्रेयस राय ने लखनऊ राष्ट्रीय विद्यालय में वादविवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। श्रेयस ऑनलाइन पत्रिका **यूथ की आवाज** के लिए भी नियमित रूप से लिखता है। तृतीय वर्ष के विद्यार्थी श्वेतांक शेखर ने आज तक के लिए काम किया और उनके कई लेख भी प्रकाशित हुए।

गणित विभाग की समिति 'अनंत' ने इस वर्ष प्रख्यात वक्ता प्रो. सत गुप्ता का व्याख्यान आयोजित किया। गणित तथा सांख्यिकी विभाग, Univeristy of North Carolina, USA में Associate Head के पद पर कार्यरत प्रो. गुप्ता ने Variations of the Greenbery Unrelated Question Binary Model पर व्याख्यान दिया। 'अनंत' समिति ने 'स्पक्ट्रम-2017 गणित महोत्सव का आयोजन किया जिसके अंतर्गत पेपर प्रस्तुतीकरण, गणित प्रश्नोत्तरी, गणित तम्बोला और सुडोको का अंतर-महाविद्यालयी स्तर पर आयोजन किया गया। इस अवसर पर आई.आई.टी. दिल्ली की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अपर्णा मेहरा ने ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। विभाग की छात्र समिति ने अप्रैल में एकदिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें Actuarial Science के एक गणमान्य Professional द्वारा व्याख्यान तथा छात्रों की अभिरुचि अनुसार कई आयोजन रखे गए।

'ENACTUS' PGDAV College की संयोजिका डॉ. प्रतिभा अग्रवाल एवं सहसंयोजिका डॉ. ऋचा अग्रवाल ने 'कोरा कागज' परियोजना के तहत अपने स्वयंसेवकों के माध्यम से पुराने एवं प्रयोग किये जा चुके कागज़ों को पुन: प्रयोग के लिए एकत्र किया। परियोजना में कॉलेज के निकट

नेहरू नगर बस्ती के निवासियों को ऐसे कागज़ों से 'नोट बुक' बनाने का प्रशिक्षण भी दिया। इस तरह से तैयार किए गए उत्पादों की एक प्रदर्शनी 'आगाज़' के दौरान भी लगायी गई।

पर्यावरण विभाग एवं उसकी संस्था Geo-Crusaders ने पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य हेतु अनेक गतिविधियों का आयोजन किया। इन गतिविधियों के अंतर्गत 'राष्ट्रीय प्राणी उद्यान' एवं 'ओखला पक्षी विहार' का शैक्षणिक भ्रमण कर संजय वन (वसंत कुंज) में 'पृथ्वी दिवस' का आयोजन किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज परिसर में वृक्षारोपण किया एवं सभी वृक्षों पर उनके सामान्य और वैज्ञानिक नाम भी लिखे। संस्था के सदस्यों ने Wetland International, South Asia द्वारा आयोजित 'Asian Waterbird Census 2017 (दिल्ली एन.सी.आर.) में भाग लिया। वसंत कुंज स्थित सुल्तान गढ़ी मकबरे के पुनः निर्माण हेतु योगदान दिया। इसकी रिपोर्ट 'हिंदुस्तान टाइम्स' समाचार पत्र में 5 मई 2016 को प्रकाशित हुई।

राष्ट्रीय सेवा योजना

पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने 2016-2017 में अपने नये मोटो 'उत्तिष्ठत जाग्रत' की दिशा में विद्यार्थियों की सहभागिता से ऊँचे आयामों को स्पर्श किया है। इस वर्ष राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्त्वावधान में अनेक सामाजिक समस्याओं को लेकर संगोष्ठी और कार्यक्रमों के आयोजन किये गये जिनमें गरीबों और अभावग्रस्तों के लिए वस्त्र और दवाओं के संकलन, स्वच्छता पखवाड़ा, रक्तदान शिविर और सबसे ऊपर वार्षिक कार्यक्रम 'सेवार्थ 2017' के अन्तर्गत प्रभावी एवं आकर्षक उपलब्धियाँ है।

इकाई के सदस्य छात्रों एवं कार्यक्रम संयोजकों एवं कार्यक्रम अधिकारियों को इसका श्रेय जाता है। डॉ० अभयप्रसाद सिंह एवं पूर्व संयोजक डॉ० पिंकी पुनिया का नाम इस दिशा में उल्लेखनीय है। जुलाई 2016 में 300 से अधिक छात्रों का पंजीयन हुआ जिनमे 150 स्वयं सेवकों और पदाधिकारियों का चयन हुआ। सबसे पहले कार्यक्रम के रूप में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत स्वच्छता अभिमान चलाया गया, साथ ही साथ नशीली दवाओं और धूम्रपान के विरोध में जोरदार अभियान चलाया गया। इस दिशा में पोस्टर, नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता रवि कालरा ने राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई को बिना किसी अपेक्षा के दूसरों पर दया करने और मानवता की सेवा करने की प्रेरणा दी। 28 सितम्बर को लायन्स क्लब दिल्ली एवं 'रेडक्रास सोसायटी' के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मात्र एक दिन में 181 यूनिट रक्तदान किया गया। वस्त्र एवं दवाइयों का सहयोग एवं योगदान प्राप्त हुआ। पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय में एक उल्लेखनीय कार्य हुआ कि अपना वेबसाइट और एप लांच हुआ, इसके जरिए विभिन्न ग्रुपों के रक्तदाताओं संबंधित जानकारियों को जोड़ा गया।

महाविद्यालय का राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 'क्लाथ बाक्स फाउंडेशन' के तत्वावधान मे एकत्रित वस्त्र एवं दवाओं को मेडिसीन बाबा के नाम से विख्यात ओंकारनाथ शर्मा को समर्पित किया गया। विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों नारा लेखन प्रतियोगिता एवं सामाजिक बुराइओं के खिलाफ रैली निकालकार जगरूकता अभियान के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस मनाया गया। पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के फेसबुक पर 4500 लोगों का जुड़ना अपने आप मे एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। राष्ट्रीय सेवा योजना का वार्षिक कार्यक्रम नि:स्वार्थ भाव से सेवा के लिए 'सेवार्थ मिशन' के तहत अनेक उल्लेखनीय कार्य किये गये। भारत सरकार के 'विसेज आफ इंडिया' के तत्वावधान में हमारी लोक संस्कृति, लोक संगीत एवं समृद्ध लोक परंपरा के संरक्षण की दिशा में प्रसिद्ध एवं समाज सेवी वरूण प्रूथी का भाषण मुख्य अतिथि के रूप में हुआ। सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम के अन्तर्गत अभावग्रस्त वांचित बच्चों के रैंपवाक द्वारा उनके अन्दर हीन भावना को सम्पात कर उन्हें प्रोत्साहित एवं जागरूक करने तथा उनका मनोबल बढ़ाने और समता का संदेश देने का काम किया गया।

वार्षिक कार्यक्रम द्वारा महत्वपूर्ण अंग पी.डबल्यु.डी. हंट के अन्तर्गत नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता के माध्यम से दिव्यांग छात्रों के अन्दर सोई हुयी प्रतिभा को जगाने और उनके अन्दर आत्मविश्वास पैदा करने का काम किया गया। इस काम में महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सामूहिक एवं प्रभावी प्रयास प्रशंसनीय है।

पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अध्यक्ष श्री अनुपम गौरव, उपाध्यक्ष प्रवीण धीमान, मंत्री शालू बंसल, संयुक्तमंत्री खुशबु गोयल, को उपाध्यक्ष दीक्षा भुटानी तथा केम्पस अम्बेडकर गौतम टैगोर एवं दीक्षा भुटानी तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के 150 स्वयं सेवक सदस्यों ने टीम भावना से काम करते हुए अपनी निष्ठा, सम्पूर्ण, सेवा भाव, सम्मान सेवा उत्साह एवं आत्मविश्वास तथा कठिन परिश्रम से राष्ट्रीय सेवा योजना के मूल उद्देश्य तक पहुँचने में आशातीत सफलता प्राप्त की है।

एन० सी० सी० (राष्ट्रीय कैडेट कोर)

इस वर्ष 160 छात्र एवं 54 छात्राएँ एन.सी.सी. में नामांकित हुए। लेफ्टिनेंट सीमा अग्रवाल तथा श्री हरि प्रताप के दिशा-निर्देश तथा एसयूओ राजेश कुमार थापा तथा एस.यू.ओ शिवानी गर्ग के नेतृत्व में कैडेट्स ने कई तरह के कैंप, जैसे पीटी, ड्रिल, परेड्स, फायरिंग के साथ-साथ सेना से जुड़ी गतिविधियों तथा उनसे जुड़े अकादमिक विषयों में भाग लिया। इन कैडेट्स ने 'अन्तरराष्ट्रीय योग-दिवस', ध्वज दिवस, रन ऑफ यूनिटी तथा आपदा प्रबंधन, से नो टू ड्रग्स तथा अंगदान जैसे कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। इस वर्ष कैडेट्स ने बीस से अधिक राज्यों में राष्ट्रीय स्तर के कैंपों में भाग लिया और विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे ड्रिल, नृत्य, गायन, रंगोली तथा पोस्टर बनाने, बास्केट बॉल तथा फुटबॉल में पुरस्कार जीते। किरोड़ीमल कॉलेज, गार्गी कॉलेज, दयाल सिंह कॉलेज, इंद्रप्रस्थ

है जिसमें वाद-विवाद, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रमुख हैं। स्टूडेंट यूनियन और सांस्कृतिक संस्था ने मिलकर इस वर्ष 'आगाज' में वसुधैव कुटुम्बकम् का आयोजन किया।

छात्र संघ के परामर्शदाता के रूप में छात्रों को डॉ. पिंकी पूनिया, सुश्री रिम्पी एवं श्री रामबीर का पूरा सहयोग मिला। उन्हें मेरी ओर से हार्दिक बधाई।

हाइपीरियन-सांस्कृतिक समिति

वर्ष 2016-17 महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति HYPERION के लिये विशेष उपलब्धियों का वर्ष रहा। अनेक अंतर्महाविद्यालय तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में HYPERION ने 150 से अधिक पुरस्कार अर्जित किये। एशिया के सबसे बड़े युवा-मेले आई.आई.टी. मुम्बई द्वारा आयोजित Mood Indigo में हमारे कॉलेज ने चार श्रेष्ठ पुरस्कार जीते जिनमें नाटक, जाने-मन को प्रथम पुरस्कार तथा प्रमुख पात्र दीपक जांगीड़ को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता से सम्मानित किया गया। देश के हिजड़ा समुदाय के जीवन, उनकी दुविधाओं, संबंधों और मनोवैज्ञानिक पहलुओं को दर्शाता हुआ यह शक्तिशाली नाटक पूरे वर्ष में 23 पुरस्कार हासिल कर चुका है। वस्तुतः हाईपीरियन की हर समिति ने अपने क्षेत्र में अनेक सम्मान व पुरस्कार हासिल किये हैं।

समिति की वार्षिक गतिविधियों में Freshers Talent Hunt Exploranza तथा आगाज का सफल आयोजन किया गया। 'वसुदैव कुटुंबकम्' की विषय वस्तु पर आधारित महाविद्यालय के सांस्कृतिक महोत्सव 'आगाज' में अनेक प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। लोकप्रिय बैण्ड 'अगस्त्य' तथा सुप्रसिद्ध रैप गायक रफ्तार सिंह ने महोत्सव में चार चांद लगाए।

महाविद्यालय की Photography समिति IRIS तथा ललितकला समिति Impressions ने स्वच्छ भारत नामक प्रदर्शनी संगीत नाटक अकादमी में दृश्य दीर्घा में लगाई। साथ ही नाटक जाने-मन ने साहित्य कला परिषद् द्वारा आयोजित महाविद्यालय नाट्य समारोह में प्रथम पुरस्कार भी पाया। डॉ. गीता कलूचा तथा उनकी टीम एवं सहभागी छात्रों को मैं हार्दिक बधाई देता हूँ।

स्पिक मैके

भारतीय शास्त्रीय संगीत और सभ्यता को युवा वर्ग तक पहुँचाने का कार्य SPIC MACAY 2005 से निरन्तर हमारे महाविद्यालय से संबद्ध है। इस वर्ष 28 मार्च 2017 को इस संस्था ने कव्वाली का आयोजन किया। उस्ताद युसुफ अली निजामी और उनके साथियों ने लगभग 2 घंटे तक छात्र-छात्राओं को मंत्रमुग्ध कर समां बांध दिया। डॉ. सरबानी, डॉ. डॉली नरूला, डॉ. रेनु कपूर व डॉ. रिमझिम शर्मा इस क्षेत्र में सराहनीय कार्य के लिए बधाई के पात्र हैं।

सतर्क

महाविद्यालय के उपभोक्ता क्लब सतर्क ने पूरे वर्ष कई गतिविधियाँ आयोजित कीं। इनमें से उल्लेखनीय कार्यक्रम थे। 1. Chemicals in Food and E-Waste पर पोस्टर प्रतियोगिता। 2. Knowledge Sharing Sessions का आरंभ। 3. E-Waste कलेक्शन ड्राइव। 4. पटाखे रहित दीपावली मनाने के लिए प्रचार-प्रसार। 5. अंतर्महाविद्यालय निबंध प्रतियोगिता विषय : Building A Better Digital World. 6. अंतर्महाविद्यालय मेला 'जागृति' का आयोजन इत्यादि।

पूर्व छात्र एसोसिएशन (एल्यूमनाई)

पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज के पूर्व विद्यार्थियों की संस्था द्वारा इस वर्ष भी रैगिंग जैसी गलत परम्परा का विरोध करते हुए नवागत विद्यार्थियों का स्वागत चंदन-तिलक लगाकर एवं स्मृतिचिह्न देकर किया गया।

एल्युमनाई की ओर से कॉलेज के पूर्व विद्यार्थियों के लिये एक पारिवारिक सहभोज का आयोजन भी किया गया, जिसमें बच्चों के विकास के लिए अनेक प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं तथा सफल प्रतियोगियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी अप्रैल के प्रथम रविवार को सदस्यों के लिए सहभोज आयोजित किया गया तथा सेवानिवृत्त प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। CRPF के DIG श्री ओलंगो इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। अपने व्यस्त कार्यक्रमों से समय निकालकर वर्षों बाद भी कॉलेज की चिन्ता करने वाले पूर्व छात्रों को मेरी हार्दिक बधाई। इनमें से अधिकांश गतिविधियों में हमें पूर्व प्राचार्यों श्री मोहनलाल जी, डॉ. एच. एल. भाटिया तथा डॉ. जे. कृष्णमूर्ति का आशीर्वाद मिलता रहा है। मैं उनके प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूँ।

अंकुर

कॉलेज की अपनी पत्रिका 'अंकुर' निरन्तर विद्यार्थियों की रचनात्मक योग्यता को महाविद्यालय के समक्ष लाने में कार्यरत है। इस पत्रिका में न केवल विद्यार्थियों द्वारा लिखित लेख, कहानी, कविताएँ होती हैं वरन् वर्ष भर कॉलेज में आयोजित सांस्कृतिक कार्यों और अन्य कार्यक्रमों का भी ब्यौरा होता है। इस संदर्भ में सुश्री ज्योति कठपालिया प्रमुख संपादक के रूप में बधाई की पात्र हैं तथा उनके सहयोगियों डॉ. कपिल देव निषाद, डॉ. दिलीप झा, सुश्री आरती माथुर, श्री सम्मत कुमार, सुश्री मेघा शर्मा के परिश्रम के फलस्वरूप ही पत्रिका समय पर हमारे समक्ष है।

उपर्युक्त सभी गतिविधियों एवं उत्कृष्ट परीक्षा परिणामों के लिए मैं जहाँ अपने प्राध्यापक सहयोगियों को धन्यवाद देता हूँ, वहीं कॉलेज के गैर शिक्षक कर्मचारी भी साधुवाद एवं धन्यवाद के पात्र हैं। वस्तुत: वे नींव के पत्थर हैं, वे दिखते नहीं पर भवन को सुदृढ़ता प्रदान करते हैं। कॉलेज के सुचारू संचालन में उनके सहयोग की मैं भूरि-भूरि प्रशंसा करता हूँ।

इस सत्र में हिन्दी विभाग के डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी, कॉमर्स विभाग के डॉ. राजेश्वर शर्मा, राजनीतिशास्त्र विभाग की डॉ. किरण वोहरा, कॉमर्स विभाग के प्राध्यापक एवं प्राचार्य रहे डॉ. एम. एम. गोयल तथा कार्यालय सहायक श्री पी.एन. तिवारी सेवानिवृत्त हुए। मैं इन सभी के सुखद एवं स्वस्थ भविष्य की कामना करता हूँ। इस वर्ष हमारे साथ जुड़ने वाले प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों का कॉलेज की ओर से मैं हार्दिक स्वागत करता हूँ।

माननीय अतिथिगण, मित्रो और सहयोगियो,

गर्व का विषय है कि आज के हमारे इस वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि हैं - सेवानिवृत्त मेजर जनरल (डॉ.) जी.डी. बख्शी, एस.एम., वी.एस.एम.; जिन्होंने पंजाब, तथा जम्मू एवं कश्मीर में आतंक विरोधी अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई। आपने कारगिल में बटालियन का अत्यधिक सफलतापूर्वक नेतृत्व किया, जिसके कारण आपको सैन्य सम्मान के रूप में विशिष्ट सेवा मेडल प्रदान किया गया। आपने इंडियन मिलिट्री एकेडमी, देहरादून एवं नेशनल डिफेन्स कॉलेज में अध्यापन कार्य भी किया। आपने मद्रास विश्वविद्यालय से एम.फिल. एवं पी. एच.डी. की उपाधि भी प्राप्त की। आपकी 'War in 21st Century' एवं 'The Indian Art of War' पुस्तकें अकादमिक जगत में अत्याधिक सराही गई हैं। महोदय आज आपके कर कमलों से पुरस्कृत होकर हमारे छात्र गर्व का अनुभव करेंगे।

छात्रवृत्तियाँ

1. श्रीमती लक्ष्मी देवी रूपलाल मग्गू स्मारक
2. श्रीमती दयावती सुन्दरलाल मैमोरियल दास
3. श्री सुल्तान चंद मैमोरियल
4. श्री कार्शीराम कपूर देवी मैमोरियल फंड
5. डॉ. कीर्ति कुमार ओबरॉय
6. डॉ. ऋषि कुमार
7. श्रीमती एवं श्री भगवानदास
8. श्रीमती प्रकाशवती रोशन लाल चड्ढा
9. श्री कृष्णगोपाल साहनी स्मारक
10. श्री विनोद मेहता
11. डॉ. कृष्ण लाल
12. शकुंतला देवी शर्मा पुरस्कार
13. प्यारेलाल शर्मा पुरस्कार
14. विट्टल देवी अवध बिहारी स्मारक पुरस्कार
15. श्रीमती कुसुम अग्रवाल पुरस्कार
16. श्री पी.एन. परनामी
17. बिपिन सचदेवा पुरस्कार
18. श्रीमती संगीता मोहन एवं देवी प्रियंका मोहन पुरस्कार
19. दीपा सुनेजा स्मृति पुरस्कार
20. रामप्यारी भाटिया स्मृति पुरस्कार
21. सुरेन्द्र शर्मा स्मृति पुरस्कार

22. दीपा अरुण प्रकाश पुरस्कार
23. सत्यजीत कुमार स्मृति में
24. श्रीमती शांति देवी कक्कड़
25. श्री हजारी लाल कक्कड़
26. श्री राजनारायण कक्कड़
27. सुमेरचन्द गुप्ता पुरस्कार
28. आर. एन. चोपड़ा छात्रवृत्ति
29. संतोष बख्शी एवं सुदर्शन मलिक पुरस्कार
30. ललिता खुराना पुरस्कार
31. के. एल. भाटिया पुरस्कार
32. डा. जे. कृष्णा मूर्ति पुरस्कार
33. शकुन्तला देवी पुरस्कार

सत्य महान् धर्म है इतर धर्म क्षुद्र हैं और उसी के अंग हैं। वह तप से भी उच्च है क्योंकि वह दंभ-विहीन है। शुद्ध बुद्धि की आकाशवाणी उसी का अनाहत गान करती है। वह अन्तरात्मा की सत्ता है। उसको दृढ़ कर लेने पर ही अन्य सब धर्म आचरित होते हैं।

- जयशंकर प्रसाद

नास्ति विद्यासमं चक्षुर्नास्ति सत्यसमं तपः।
नास्ति रागसमं दुःख नास्ति त्यागसमं सुखम्॥

-वेदव्यास

विद्या के समान कोई नेत्र नहीं है, सत्य के समान कोई तप नहीं है। राग के समान कोई दुःख नहीं है और न त्याग के समान सुख।